सीएमपीडीआई में डॉ. भीमराव अम्बेदकर की 123वीं जयंती मनायी गयी

(14 अप्रैल 2014)

सीएमपीडीआई मुख्यालय, रांची में आज ''भारत रत्न'' बाबा साहब डॉ0 भीम राव अम्बेदकर की जयंती मनायी गयी। इस मौके पर संस्थान के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री ए0के0 देबनाथ ने कहा कि नई पीढ़ियों को बाबा साहब के बताए हुए रास्ते पर चलना चाहिए। उनके विचारों को प्रेरणास्रोत के रूप में लेना चाहिए। आज हमारे समाज में तनिक मात्र की अगर ऊंच-नीच, भेद-भाव, गैर-बराबरी तथा इस तरह की कुरीतियां हैं तो इसे दूर करने की आवश्यकता है। जिस दिन इन चीजों पर हम काबू पा लेंगे, हमारा देश एक मजबूत और शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभरेगा।

इस मौके पर सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) श्री आर0के0 चोपड़ा ने कहा कि बाबा साहब का कथन रहा है कि हम सब प्रथम और अंतिम रूप से भारतीय हैं। इसी उद्देश्य के लिए उन्होंने जीवन भर संघर्ष किया। उनकी इच्छा थी कि विसंगति एवं कुरीतियां मिटे और एक दरारहीन समाज का निर्माण हो। सुधार निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। आर्थिक, सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्रों में भी समय समय पर सुधार हुआ है जिससे हम सब लाभान्वित एवं प्रभावित हुए हैं।

इस अवसर पर सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) श्री एस0 शरण ने कहा कि बाबा साहब जीवनपर्यन्त दबे-कुचले, वंचित एवं महिलाओं की अच्छी स्थिति के लिए संघर्ष किया। उन्होंने विषम परिस्थितियों में तपकर अपने आप को बेहतर शिक्षाविद् एवं राजनेता के रूप में प्रतिष्ठित किया। देश को एक समृद्ध संविधान दिया।

इस मौके पर सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी/आरडीएंडटी) श्री वी0के0 सिन्हा ने कहा कि बाबा साहब समाज को अग्रसर करने में रूचि रखते थे। जाति, वर्ग, लिंग एवं समुदाय भेद के खिलाफ जीवन भर संघर्ष किया। हम सब का दायित्व है कि इन कुरीतियों को दूर करें और सामाजिक समरसता एवं बराबरी का वातावरण उत्पन्न करें ।

इसके अलावा श्रमिक प्रतिनिधियों ने भी अपने अपने उद्गार प्रकट किया।

इसके पूर्व अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री ए0के0 देबनाथ, निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) श्री आर0के0 चोपड़ा, निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) श्री एस0 शरण, निदेशक (तकनीकी/आरडीएंडटी) श्री वी0के0 सिन्हा आदि ने दीप प्रज्जवलित कर इस समारोह की शुरूआत की एवं बाबा साहब के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। स्वागत भाषण वरीय प्रबंधक (कार्मिक/कल्याण) श्रीमती सुमन रस्तोगी, मंच संचालन रूची बागचे ने की जबकि उप महाप्रबंधक (कार्मिक/प्रशासन) श्री बिललेन्दु कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

***